समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

भारत मे हंरित कौशल की नई क्रांति : Ashoka University और EDF ने मिलकर आयोजित किया देश का पहला ‘क्लाइमेट वर्कफोर्स समिट’

Publisher

Published on 06 Nov 2025

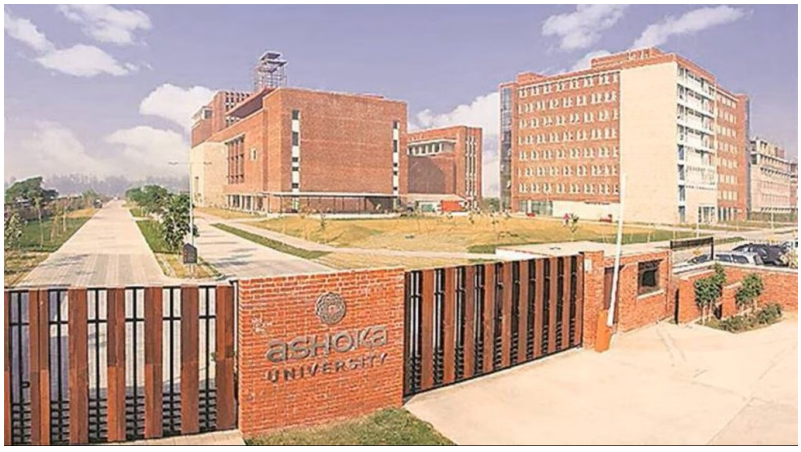

भारत की तेजी से बढ़ती हरित अर्थव्यवस्था (Green Economy) को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए **Ashoka University** और **Environmental Defense Fund (EDF)** ने मिलकर देश का पहला “**Climate Workforce Summit**” आयोजित किया। इस समिट का उद्देश्य था भारत के युवाओं को पर्यावरण-अनुकूल उद्योगों और तकनीकों के लिए तैयार करना, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

यह कार्यक्रम शिक्षा, उद्योग और नीति-निर्माण क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ मुंबई में आयोजित किया गया। समिट में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत में ग्रीन ट्रांजिशन को सफल बनाने के लिए केवल तकनीक नहीं, बल्कि **कुशल मानव संसाधन** यानी प्रशिक्षित ग्रीन वर्कफोर्स की आवश्यकता है।

Ashoka University और EDF ने बताया कि यह समिट देश में हरित रोजगार (Green Jobs) और ग्रीन स्किल डेवलपमेंट की दिशा में नई सोच को जन्म देगा। समिट का मुख्य विषय था — *“Enabling Climate Workforce Transition in India”*, जिसके तहत पैनल चर्चाएं, नीति-संवाद, उद्योग सत्र और क्लाइमेट करियर के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।

समिट के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत को लाखों ऐसे युवाओं की जरूरत होगी, जो **क्लाइमेट चेजं, सस्टेनेबिलिटी, रिन्यूएबल एनर्जी, ईको-फ्रेंडली टेक्नोलॉजी और ग्रीन इनोवेशन** जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षित हों। यह पहल न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी।

EDF की ओर से कहा गया कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत जैसे देश में *“[illegible]-[illegible] [illegible]”* का निर्माण बेहद जरूरी है। उद्योग जगत को भी अब यह समझ आ चुका है कि *[illegible] [illegible] [illegible] CSR (Corporate Social Responsibility) [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]*

[illegible]

Ashoka University के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्थान पहले से ही *Climate Corps Fellowship* जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को हरित परियोजनाओं में शामिल कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में 100 से अधिक फेलोज़ ने देशभर में 30+ संगठनों में क्लाइमेट-सम्बंधित प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

इस समिट में उद्योग जगत से भी बड़ी भागीदारी देखी गई। **JSW, Godrej, Mahindra, HSBC, Deloitte** जैसी अग्रणी कंपनियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे अब अपनी भर्ती और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में “ग्रीन स्किल इंडेक्स” शामिल कर रही हैं।

चर्चाओं में यह भी कहा गया कि भारत में ग्रीन जॉब्स सिर्फ उच्च शिक्षित युवाओं तक सीमित नहीं रहेंगे। ब्लू-कलर वर्कर्स और ग्रामीण युवाओं को भी सौर ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव-कृषि और ऊर्जा-दक्षता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके लिए *[illegible]* का विस्तार और उद्योग-अकादमिक सहयोग अहम होगा।

समिट ने यह स्पष्ट किया कि भारत का “हरित संक्रमण” (Green Transition) तभी सफल होगा जब शिक्षा नीति, औद्योगिक विकास और मानव संसाधन प्रशिक्षण एकसाथ काम करें। आने वाले वर्षों में भारत को जलवायु-अनुकूल अर्थव्यवस्था के लिए लाखों नए पेशेवरों की जरूरत होगी, जो ग्रीन बिजनेस मॉडल और सतत विकास को आगे बढ़ा सकें।

Ashoka University और EDF की इस पहल को विशेषज्ञों ने “भारत की ग्रीन टैलेंट क्रांति की शुरुआत” बताया। इसका उद्देश्य सिर्फ जलवायु परिवर्तन से निपटना नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध, पर्यावरणीय रूप से संतुलित और रोजगार के नए अवसरों से परिपूर्ण हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.